

18/11/25

पकीय परामर्श ग्रहण । बाद में पूर्व में उभयपक्षों की वरदा स्वात की जा चुकी हो कारी का बाद का बाद रोज परीक्षों के लक्ष्य धारिज शीघ्र पाया जाने से बाद को धारिज किया जाकर निर्देश युक्त से विद्यमान जाकर शांतिदा धारिज किया जाय। धारिज की अन्तः का एक प्रकार का धारिज हो

साधुगुरु अधिकारी विद्याना

